सान्ध्य हिन्दी दैनिक   जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 115 | जौनपुर, शनिवार, 14 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से साकार हो रहा दिव्य भव्य व डिजिटल महाकुम्भ का सपना : योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज,(एजेंसी)। ठीक एक महीने बाद विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक, धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन, मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत तथा सनातन के महापर्व महाकुम्भ–2025 का शुभारंभ होने जा रहा है। ऐसे में शुक्रवार को सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन तथा उनके द्वारा 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं के लोकार्पण के प्रति आभार जताते हुए प्रयागराज, प्रदेश व महाकुंभ में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की ओर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आगमन मां गंगा–यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा–अनुष्ठान के साथ ही प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के अंदर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है। सीएम योगी ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी के कर–कमलों से होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुंभ 2019 का सफल आयोजन हुआ था और अब महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए मिल रहे मार्गदर्शन के लिए हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विजन की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में किए गए प्रयास और सनातन धर्मावलंबियों के हितों की रक्षा के साथ ही कुम्भ को लेकर स्थापित किए गए उच्च प्रतिमानों की पूर्ति को लेकर आभार जताया। सीएम योगी ने कहा कि पहली बार 2019 के प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व आदेश पर सैकड़ों वर्षों के बाद श्रद्धालुओं ने अक्षय वट के दर्शन हुए थे।

धनखड़ को पद से हटाने के मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव के मुद्दे पर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप–प्रत्यारोप का जोरदार दौर चला, जिसके कारण हुए भारी हंगामे के बाद उच्च सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की बैठक आरंभ होने पर सदन ने साल 2001 में संसद पर हुए हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर भारत के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को बधाई दी। इसके बाद सभापति धनखड़ ने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कुल चार नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा कि सदस्यों को मंथन करना चाहिए कि विगत 30 सालों में इस नियम के तहत कितने नोटिस दिए गए और कितने स्वीकार किए गए। उन्होंने कहा कि उनके अब तक के कार्यकाल में नियम 267 के तहत रिकार्ड नोटिस दिए गए हैं। इसी बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राधामोहन दास ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए सभापति धनखड़ को पद से हटाए जाने के प्रस्ताव संबंधी विपक्षी दलों के नोटिस का उल्लेख किया और कहा कि वह 20 साल उत्तर प्रदेश में विधायक रहे हैं लेकिन जो स्थिति आज वह राज्यसभा में देख रहे हैं, वैसी स्थिति विधानसभा में भी कभी नहीं रही। अग्रवाल जब अपनी बात रख रहे थे तब विपक्षी सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताते हुए हंगामा शुरु कर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सभापति

को हटाने के लिए नोटिस देने का अधिकार है लेकिन उसकी एक प्रक्रिया है। उन्होंने विपक्षी दलों पर इस प्रक्रिया का पालन न करने का आरोप लगाया और कहा कि नोटिस स्वीकार किए जाने की 14 दिन की अवधि का इंतजार किए बगैर विपक्षी दलों के सदस्यों ने सभापति के खिलाफ मीडिया में जाकर 'घटिया' आरोप लगा दिए। उन्होंने कांग्रेस पर उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का हमेशा अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तत्कालीन राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के अपमान का कोई मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने सभापति के खिलाफ दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली,(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के सामने 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि जोगेंद्र यादव, हेमला देवा और नौ अन्य नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। चव्हाण ने बताया कि इनमें से यादव प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की पेदाबोडकेल क्रांतिकारी पार्टी समिति के तहत कृषि समिति काअध्यक्ष था। उन्होंने बताया कि हेमला इसकी जनसंपर्क समिति का प्रमुख था, जबकि नौ अन्य नक्सली निचले स्तर के कैडर हैं। अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की अमानवीय और खोखली विचारधारा से तंग आकर तथा राज्य सरकार की नक्सलवाद उन्मूलन नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों कोराज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अनुसार लाभ मिलेगा।

इंजीनियर राशिद के खिलाफ दर्ज आतंकवाद-वित्तपोषण मामले पर सुनवाई कर सकती है दिल्ली की अदालत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत 19 दिसंबर को यह तय कर सकती है कि जम्मू–कश्मीर से सांसद इंजीनियर राशिद के खिलाफ आतंकवाद–वित्तपोषण मामले को सांसदों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए नामित विशेष अदालत को स्थानांतरित किया जाए या नहीं। मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को होनी थी, लेकिन मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश के छुट्टी पर होने के कारण स्थगित कर दी गई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 27 नवंबर को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विमल कुमार यादव को सूचित किया था कि वह रशीद के खिलाफ आतंकवाद–वित्तपोषण मामले की सुनवाई कर रही अदालत को विशेष अधिकार देने का अनुरोध करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर सकती है। इससे पहले, राशिद और एनआईए के वकील ने संयुक्त रूप से मामले की सुनवाई ।

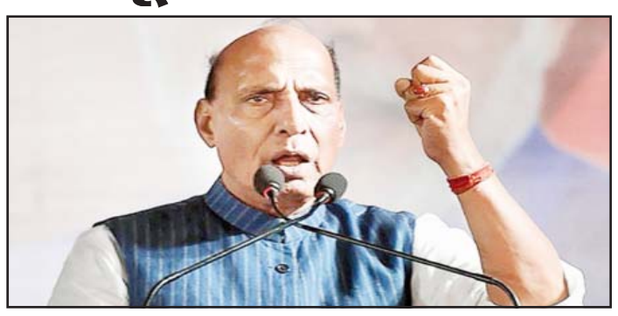

संविधान के निर्माण में कई नेताओं के योगदान को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला और कहा कि विपक्ष के नेता अपनी जेब में संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं। लोकसभा में दो दिवसीय भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान बहस की शुरुआत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि संविधान के निर्माण में कई नेताओं के योगदान को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक विशेष पार्टी ने हमेशा संविधान के निर्माण हाईजैक करने की कोशिश की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने कई मौकों पर संविधान और उसकी भावना का अपमान किया है। यह संस्थानों की स्वतंत्रता और स्वायत्तता को बर्दाश्त नहीं कर सका। इसने सदैव संविधान के मूल सिद्धांतों को नष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि इनसे संविधान की रक्षा की बात उठना उचित नहीं लगता। आजकल मैं देखता हूं कि कई विपक्षी नेता संविधान को अपनी जेब में रखते हैं। दरअसल, उन्होंने बचपन से यही सीखा है, उन्होंने अपने परिवारों को पीढ़ियों तक संविधान को अपनी जेब में रखते देखा है। सिंह ने कहा कि लेकिन भाजपा हमेशा संविधान के सामने झुकती है और उसने संस्थानों की स्वतंत्रता और स्वायत्तता के साथ कभी खिलवाड़ नहीं किया है। उन्होंने बताया कि संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता की बात की गई है और यह निर्दिष्ट किया गया है कि राज्य का कोई धर्म नहीं बल्कि धर्मनिरपेक्ष होगा। उन्होंने कहा, यह उन लोगों ने कहा था जिन्हें कांग्रेस के लोगों ने सांप्रदायिक करार दिया था। सिंह ने कहा, संविधान लोगों की सामान्य इच्छा की अभिव्यक्ति है। लोकसभा के उप नेता ने किसी का नाम लिये बिना कहा, "एक पार्टी विशेष द्वारा संविधान निर्माण के कार्य को हाईजैक करने की कोशिश हमेशा से की गई है। भारत में संविधान निर्माण के इतिहास से जुड़ी ये सब बातें लोगों से छिपाई गई हैं।" उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, "आज विपक्ष के कई नेता संविधान की प्रति अपनी जेब में रखकर घूमते हैं। असल में उन्होंने बचपन से ही यही सीखा है।

बहन प्रियंका को पहले भाषण पर संसद में राहुल समेत कई नेताओं का समर्थन मिला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पहले भाषण को उनके भाई, सदन में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के साथ–साथ पार्टी के अन्य नेताओं से जोरदार समर्थन मिला। प्रियंका के भाषण के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि उनकी बहन का पहला लोकसभा संबोधन एक नए सांसद के रूप में सदन में उनके पहले भाषण से बेहतर था। राहुल गांधी 2004 में पहली बार सांसद बने। गांधी ने लोकसभा के बाहर मीडियाकर्मियों से कहा कि अद्भुत भाषण। मेरे पहले भाषण से बेहतर। वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका ने आज पहली बार राष्ट्रीय एकता, महिला सशक्तिकरण और भारत के संविधान की सुरक्षा की आवश्यकता पर केंद्रित संदेश के साथ सदन को संबोधित किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी तथा सरकार पर तीखा प्रहार किया और दावा किया कि यदि लोकसभा चुनाव के नतीजे इस तरह के नहीं होते तो यह सरकार संविधान बदलने का काम करती। उन्होंने लोकसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर भय फैलाने का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि शायद प्रधानमंत्री यह समझ नहीं पाए हैं कि संविधान संघ का विधान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारत लंबे समय तक "कायरों के हाथ में कभी नहीं रहा और यह देश उठेगा और लड़ेगा। उन्होंने कहा कि संविधान में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा है। यह वादा एक सुरक्षा कवच है, जिसे तोड़ने का काम शुरू हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार लेटरल एंट्री और निजीकरण के जरिए आरक्षण को कमजोर करने का काम कर रहे है। अगर लोकसभा चुनाव में ये नतीजे नहीं आए होते तो यह संविधान बदलने का काम करती। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज सत्तापक्ष बार–बार संविधान इसलिए कह रहा है, क्योंकि इस चुनाव में हारते–हारते जीतने के बाद उन्हें पता चल गया कि देश की जनता ही संविधान को सुरक्षित रखेगी और संविधान की बात इस देश में नहीं चलेगी। प्रियंका गांधी का कहना था ।

ड्रग माफिया का राज, डबल इंजन सरकार से जनता को डबल खतरा : अखिलेश यादव

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है। पूरा विभाग भ्रष्टाचार में डूबा है। स्वास्थ्य सेवाएं दलाली

और मुनाफाखोरी की गिरफ्त में हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि पहले प्रयागराज में नकली प्लेटलेट्स का खुलासा हुआ और अब आगरा में नकली दवाई के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है। प्रदेश में पूरब से लेकर पश्चिम तक ड्रग माफिया का राज है। इतने बड़े नेटवर्क को चलाने वालों के तार किस सत्ताधारी से जुड़े हैं, इसका पर्दाफाश होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य मंत्री से पूछना चाहिए कि ये धांधली कैसे हो रही है। अगर इस अवैध कारोबार में पुलिस भी शामिल है तो सीएम इसके लिए जिम्मेदार हैं। कानपुर–प्रयागराज हाईवे पर अल्लीपुर में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज में दरारें पड़ने की जांच भी होनी चाहिए। कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार से प्रदेश की जनता के लिए डबल खतरा है। भाजपा सरकार, महंगाई भ्रष्टाचार, मिलावटखोरी रोक पाने में पूरी तरह से असफल है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार जनता का भरोसा खोती जा रही है।

पेंशनर्स परिकल्प का विमोचन समारोह सम्पन्न और वरिष्ठ पेंशनर्स भी हुए सम्मानित

दैनिक देश की उपासना ब्यूरो

लखनऊ। स्थित कृषि भवन के सभागार में उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन भव्यता के साथ आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री दुर्गा शंकर मिश्र,पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन ने उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित एवं श्री शिवशंकर द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका पेंशनर्स परिकल्प 2024 का विमोचन किया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री के रवीन्द्र नायक, प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन विभाग भी उपस्थित थे। यह पत्रिका वर्ष 2011 से प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित की जा रही है जिसके सम्पादक श्री शिवशंकर द्विवेदी के साथ अन्य सहयोगी रहे हैं। वर्तमान पत्रिका के सम्पादन में श्री सुरेन्द्र विक्रम अस्थाना ने भी सम्पादक की भूमिका निभाई है। विमोचन समारोह में 93 वर्षीय वरिष्ठतम सदस्य श्री घनश्याम नारायण श्रीवास्तव को पेंशनर्स शिरोमणि तथा एसोसिएशन के हित में सक्रिय भूमिका निभाने वाले श्री ओंकार नाथ तिवारी को पेंशनर्स गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। उक्त के अतिरिक्त 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 05 अन्य अधिकारी श्री बराती लाल, विशेष सचिव, श्री जे.बी. सिंह, उपसचिव, श्री टी.एस. शर्मा, अनुभाग अधिकारी, श्री नागेन्द्र नाथ वर्मा अनुभाग अधिकारी एवं श्री गिरीश विक्रम श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि पेंशनर्स शिरोमणि सम्मान स्वर्गीय आचार्य शिवनाथ द्विवेदी साहित्याचार्य की स्मृति में तथा पेंशनर्स गौरव सम्मान स्वर्गीया श्रीमती राजकिशोरी द्विवेदी की स्मृति में श्री शिवशंकर द्विवेदी, सम्पादक पेंशनर्स परिकल्प के सौजन्य से दिये गये हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने समारोह में उपस्थित वरिष्ठ पेंशनर्स के सक्रिय, स्वस्थ एवं दीर्घ

जीवन की कामना की तो पत्रिका के सम्पादक श्री शिवशंकर द्विवेदी ने जीवन को मूल्यवान बताते हुए उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया कि एसोसिएशन द्वारा उन्हें पेंशन शिरोमणि तथा पेंशनर्स गौरव सम्मान के सौजन्य का अवसर देकर सम्मानित होने मार्ग प्रशस्त किया गया है। उल्लेखनीय है उक्त दोनों सम्मान श्री द्विवेदी के पिता और मां की स्मृति में दिये गये हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि श्री शिवशंकर द्विवेदी,सम्पादक पेंशनर्स परिकल्प ने इस अवसर पर अपनी प्रकाशित कृति, अ–मोक्ष – एक प्रस्तुति की एक प्रति मुख्य अतिथि श्री दुर्गा शंकर मिश्र तथा नव प्रकाशित काव्य संग्रह कृति जीवन के स्वर की एक प्रति श्री राधेश्याम ओझा, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के करकमलों देते हुए दोनों का सारस्वत सम्मान भी किया। समारोह में उपस्थित पेंशनर्स के साथ मुख्य सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत श्री श्याम सुन्दर अग्निहोत्री, संरक्षक ने किया तो धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री पी के शर्मा, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने अगले वर्ष फिर से इसी तरह मिलने की प्रत्याशा व्यक्त की। समारोह का भव्यता के साथ संचालन श्री एन पी त्रिपाठी, सचिव ने के किया गया।

खुले बोरवेल बंद करवाने के लिए अभियान चलाए राजस्थान सरकार : अशोक गहलोत

राजस्थान ,(एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुले बोरवेल में गिरने से होने वाली जनहानि पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से ऐसे बोरवेल को बंद करवाने के लिए अभियान चलाने की मांग की। हाल में दौसा जिले में खुले बोरवेल में गिरे पांच साल के आर्यन की मौत हो गई थी।

गहलोत ने इसे दुखद बताया है। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, "दौसा में एक खुले बोरवेल में गिरने से मासूम आर्यन की मृत्यु बेहद दुखद है। तमाम चुनौतियों के बावजूद जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा की टीम ने अच्छा कार्य किया।" उन्होंने कहा कि खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाएं लगातार होती रहती हैं। राज्य सरकार द्वारा कई बार इन्हें बंद करने के आदेश जारी किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद गांवों में खुले बोरवेल सामान्य तौर पर मिल जाते हैं। इस तरह के बोरवेल के खिलाफ अभियान चलाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, "खुले बोरवेल से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सरकार एवं जनता मिलकर अभियान चलाएं क्योंकि दूर–दराज के इलाकों में ऐसे बोरवेल की जानकारी प्रशासन को बिना जन सहयोग के नहीं चल सकती है।

प्रधानमंत्री समझ नहीं पाए कि संविधान 'संघ का विधान' नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सरकार पर तीखा प्रहार किया और दावा किया कि यदि लोकसभा चुनाव के नतीजे इस तरह के नहीं होते तो यह सरकार संविधान बदलने का काम करती। उन्होंने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर भय फैलाने का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि शायद प्रधानमंत्री यह समझ नहीं पाए हैं कि संविधान 'संघ का विधान' नहीं है। वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद सदन में उनका यह पहला भाषण था। उन्होंने दावा किया कि भारत लंबे समय तक "कायरों के हाथ में कभी नहीं रहा और यह देश उठेगा और लड़ेगा।" उन्होंने कहा, "संविधान में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा है। यह वादा एक सुरक्षा कवच है, जिसे तोड़ने का काम शुरू हो चुका है।" उन्होंने दावा किया, "यह सरकार 'लेटरल एंट्री' और निजीकरण के जरिए आरक्षण को कमजोर करने का काम कर रही है।" अगर लोकसभा चुनाव में ये नतीजे नहीं आए होते तो यह संविधान बदलने का काम करती।" कांग्रेस नेता ने कहा, "आज सत्तापक्ष बार–बार संविधान इसलिए कह रहा है, क्योंकि इस चुनाव में हारते–हारते जीतने के बाद उन्हें पता चल गया कि देश की जनता ही संविधान को सुरक्षित रखेगी और संविधान बदलने की बात इस देश में नहीं चलेगी।" प्रियंका गांधी का कहना था कि आज जाति जनगणना का जिक्र सत्तापक्ष कर रहा है क्योंकि इस तरह के नतीजे आए। कांग्रेस सांसद का इशारा इस ओर था कि कुछ महीने पहले संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा

बहुमत से दूर रह गई और कांग्रेस की सीटों की संख्या 100 के करीब पहुंच गई। प्रियंका गांधी का कहना था, "आज जनता की मांग है कि जातिगत जनगणना हो। जातिगत जनगणना इसलिए भी जरूरी है, ताकि पता चले कि देश में किसकी क्या स्थिति है और नीतियां उस हिसाब से बनें।" उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा चुनाव के समय दिए कुछ भाषणों का हवाला देते हुए कहा, "नरेन्द्र मोदी की जातिगत जनगणना के लिए गंभीरता का प्रमाण देखिए। जब चुनाव में पूरा विपक्ष जातिगत जनगणना की बात कर रहा था, तब नरेन्द्र मोदी कह रहे थे– ये आपकी भैंस और मंगलसूत्र चुरा लेंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आर्थिक न्याय का कवच तोड़ रही है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि आज किसान भगवान भरोसे है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, "पहले एक कहानी होती थी। राजा भेष बदलकर लोगों के बीच आलोचना सुनने जाता थाआज के राजा को भेष बदलने का बहुत शौक है। लेकिन उनमें न जनता के बीच जाने की हिम्मत है और न आलोचना सुनने की।" कांग्रेस महासचिव ने कहा, "प्रधानमंत्री जी संविधान को माथे पर लगाते हैं, लेकिन संभल, हाथरस और मणिपुर में जब न्याय की गुहार उठती है तो उनके माथे पर शिकन नहीं आती। शायद वह समझ नहीं पाए हैं कि भारत का संविधान 'संघ का विधान' नहीं है।" प्रियंका गांधी ने कहा, "यह सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है।हमारा संविधान इंसाफ, उम्मीद, अभिव्यक्ति और आकांक्षा की वह ज्योति है जो हर हिंदुस्तानी के दिल में जलती है।" उन्होंने कहा, "उम्मीद और आशा की ज्योति हमने देश के कोने–कोने में देखी है।"

संपादकीय

धन की निर्धारित रकम

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा। बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा। वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है। ऐसे ही सेवानिवृत्ति से कुछ समय पहले तक एक बड़ी रकम निकालने की सुविधा भी शामिल है। दरअसल, केंद्र सरकार अपने सामाजिक दायित्व को विस्तार देने के क्रम में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। जिसमें सरकार गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने के मकसद से इन कामगारों को चिकित्सा संरक्षण, डिसएबिलिटी सपोर्ट और पीएफ सुविधाएं देना शामिल है। फिलहाल इन्हें परंपरागत कर्मचारी व्यवस्था के लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस तरह ईपीएफओ अपने सक्रिय सदस्यों की सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बढ़ी है। मकसद यही है कि उन्हें अधिक सुविधाएं दे सके। निश्चित रूप से हमारे श्रम बाजार को औपचारिक बनाने, भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने तथा सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर इस कार्यबल को मेडिकल कवर व वित्तीय सहायता देना न्यायसंगत ही होगा। सरकार की पहल प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक कल्याण ढांचे में बदलाव की ओर संकेत देती है। इससे व्यवस्था परिचालन की विसंगतियों को दूर करते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी पता चलता है। निश्चित रूप से यह कदम कर्मियों के कल्याण के मद्देनजर समानता व सुविधा के साथ सार्वजनिक संस्थानों के प्रति भरोसा बढ़ाने वाला भी है।

दिल्ली की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

ललित

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है। दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है। भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख–दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके

चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है। निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मार्लेना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न–मध्यम वर्ग और झुग्गी–झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है। आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी। कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी–विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

डोनाल्ड ट्रंप के ट्रंप कार्ड काश पटेल

अरुण

अमेरिकी सत्ता में रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट, वे भारतीय प्रतिभाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। भले ही भारतीय मूल की बेटी कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव हार गई हों, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कई महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय वंशजों की नियुक्ति हर भारतीय को गर्व से भर देती है। हालांकि, अमेरिकी शासन अमेरिका फर्स्ट के समर्थकों को ही तरजीह देता है, लेकिन इस मुकाम को हासिल करने में भारतवंशियों ने कड़ी मेहनत और प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। इनमें हालिया चर्चा अमेरिकी शक्तिशाली खुफिया एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर पद पर भारतीय मूल के काश पटेल की नियुक्ति को लेकर हुई है। हालांकि, इससे पहले भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को भी विख्यात उद्योगपति एलन मस्क के साथ महत्वपूर्ण अमेरिकी नियामक संस्था डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएन्सी की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी तरह हिंदू धर्म अपनाने वाली तुलसी गैबार्ड को भी महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। निस्संदेह, फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डायरेक्टर पद पर काश पटेल की नियुक्ति भारतीय मेधा का परमच लहराती है। उनकी नियुक्ति करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा भी कि काश उम्दा वकील, कुशल जांचकर्ता और अमेरिका फर्स्ट के प्रबल समर्थक हैं। साथ ही माना कि उन्होंने अमेरिकी हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा, न्याय का संरक्षण करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ कारगर मुहिम चलायी। वे काश को अमेरिकी फर्स्ट मुहिम का प्रतिनिधि चेहरा भी मानते हैं। दरअसल, ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान उनके योगदान को नहीं भूले। जिसमें उनके पिछले चुनाव के दौरान चुनाव अभियान को प्रभावित करने की रूसी कोशिशों की भी जांच की थी। इतना ही नहीं, काश ने अमेरिका की संप्रभुता को चुनौती देने वाले खूंखार आतंकवादियों के खात्मे में भी अहम भूमिका निभायी थी। दरअसल, काश पटेल न्यायिक व खुफिया अभियानों में योगदान के साथ ही अपने एक स्वयंसेवी संगठन 'काश फाउंडेशन' के जरिये सामाजिक बदलाव के अभियानों में योगदान देने के लिये भी जाने जाते हैं। वे अमेरिकी बच्चों की पढ़ाई के लिये स्कॉलरशिप के जरिये योगदान देते रहे हैं। साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाने वाले लोगों की भी मदद करते रहे हैं। साथ सैन्यकर्मियों व कानून प्रवतर्न एजेंसियों की भी आर्थिक सहायता करते हैं। इतना ही नहीं पिछले चुनाव में ट्रंप की हार के बाद उपजे विवादित कैपिटल हिल प्रकरण के आरोपियों की भी आर्थिक सहायता करते रहे हैं। काश पटेल की मेधा व योगदान के महत्व का पता इस बात से चलता है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले ही उनकी नियुक्ति की घोषणा कर दी। काश पटेल एक लेखक भी हैं। जीवन यात्रा का उल्लेख उन्होंने अपनी पुस्तक 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' में किया। उनकी परवरिश एक मध्यमवर्गीय संस्कारित भारतीय परिवार में हुई। भारत से आए प्रवासी गुजराती परिवार में उनका लालन–पालन क्वींस और लॉन्ग आइलैंड में हुआ। उनके पिता अमेरिकी एविएशन कंपनी में काम करते थे। उन्होंने कालांतर न्यूयॉर्क से कानून की डिग्री हासिल की। जैसा कि आम भारतीय परिवारों में होता है कि शिक्षा को समृद्ध करना उनकी प्राथमिकता होती है। साथ भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति व धार्मिक मूल्य को विशेष महत्व दिया जाता है। यही वजह है कि बचपन में भारतीय पर्व–त्योहार, विशिष्टता के विवाह उत्सव और धार्मिक रीतिरिवाज, उनके अवचेतन पर सदैव हावी रहे हैं। काश ने भारतीयता से सदैव खुद को जोड़े रखा। हिंदू होने के नाते वे मंदिर व घर में बनाये गए पूजा स्थल को याद करते हैं। साथ ही घर के शाकाहारी व सात्विक संस्कारों का पालन करते रहे। उन्हें इस बात का मलाल रहा है कि घर में तामसिक भोजन न बनने पर वे जब भी बाहर कुछ खाते तो मां जल्दी ही उनकी चोरी पकड़ लेती थी। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष बीस जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। तब काश पटेल की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को विस्तार मिलेगा क्योंकि चवालीस वर्षीय काश की गिनती ट्रंप के विश्वासपात्र लोगों में होती है। अमेरिका में एफबीआई का निदेशक पद खासा महत्व व प्रतिष्ठा वाला पद माना जाता है। दरअसल काश, ट्रंप की पिछली सरकार के दौरान भी रक्षा मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ, राष्ट्रीय सुरक्षा काउंसिल में राष्ट्रपति के उप सहायक, आतंकवाद निरोधक विभाग के वरिष्ठ निदेशक के पद पर रहते कई राष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। जिसमें अलकायदा से जुड़े कई इनामी आतंकवादियों व आइसिस के मुखिया अल बगदादी के खात्मे जैसे अभियान में शामिल रहे हैं। उनके प्रयासों से कई अमेरिकी बंधकों की सुरक्षित वापसी संभव हो पायी। इसके अलावा कई खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय बनाने तथा राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण सूचनाएं देने का दायित्व भी वे निभा चुके हैं। निश्चित ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पटेल की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण होने वाली है। इतना ही नहीं काश पटेल ने खुफिया मामलों की स्थायी चयन समिति हेतु मुख्य अधिवक्ता के तौर पर भी काम किया। उनकी गिनती सख्त व ईमानदार अधिकारियों के रूप में होती रही है। यही वजह है कि उनकी सेवाएं अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा व संवेदनशील अभियानों में ली जाती रही हैं। जिसमें उनकी मुहिम से ऐसे कानूनों का निर्माण भी शामिल है, जो दुनिया में अमेरिकी हितों की सुरक्षा के लिये गोपनीय जानकारियां जुटाने तथा आतंकवाद के मुकाबले के लिये पुख्ता तंत्र बनाने में सहायक बने। दरअसल, एक अधिवक्ता के रूप में अपना कैरियर शुरू करने वाले काश ने आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण, नशे के चक्रव्यूह को तोड़ने तथा गंभीर अपराधों के निस्तारण में योगदान से अमेरिका में अपनी विशिष्ट छवि बनायी।

पत्नी की मुस्कान, सांसत में जान

मनीष

पत्नी जब मुस्कुराती है तो अच्छे–अच्छे पतियों को नानी याद आ जाती है। पति जानता है कि पत्नी वैसे ही खाली–पीली नहीं मुस्कुराती। उसकी मुस्कुराहट के पीछे कई राज होते हैं। पत्नी को मुस्कुराते देख कई पतियों का तो दिल बैठ जाता है। पत्नी जब मुस्कुराती है तो अक्सर दो बातों की संभावना होती है। या तो पति की जेब पर डाका पड़ने वाला है या पति का कोई राज पत्नी को मालूम चल गया है। दोनों ही स्थितियों में पति की शामत ही समझो। एक दुस्साहसी पति ने अपनी मुस्कुराती पत्नी से इसका कारण पूछा तो पत्नी बोली, 'अब क्या मैं मुस्कुरा भी नहीं सकती। आप तो जब–तब अट्टहास करते रहते हो। मेरे मुस्कुराने पर भी बैन लगाओगे?' 'अरे भई मैं तो सिर्फ मुस्कुराने का कारण पूछ रहा हूं। कोई तो वजह होगी या यूं ही३।' 'तो मैं यूं ही मुस्कुरा नहीं सकती? जरूरी है क्या मुस्कुराने के पीछे कोई वजह हो।' पत्नी के तेवर बदल चुके थे। वह मुस्कुराहट से सीधे डांट–डपट वाले भाव में आ गई थी। 'नाराज क्यों हो रही हो, मैंने तो वैसे ही पूछ लिया था।' पति डरते–सहमते बोला। 'जब मेरे मुस्कुराने पर तुम्हें आपत्ति है तो मेरे हंसने पर क्या करोगे। वैसे भी तुमसे शादी के बाद तो मैं हंसना–मुस्कुराना ही भूल गई हूं। मुझे याद है पिछली बार मायके गई थी, वहां हंसना–हंसाना हुआ था। हर समय रोनी सूरत बनाए रखते हो, तुम्हारे चढ़े हुए थोबड़े को देखकर भला कौन मुस्कुरा सकता है।' पत्नी के मुंह से दे–दनादन क्रांतिकारी शब्दों का उत्पादन होने लगा था। पति को महसूस हो गया था कि उसने पत्नी से उसकी मुस्कान के बारे में पूछकर बर्र के छत्ते में हाथ दे दिया है। 'बदल दी न बात। तुम से कुछ कहो तो झट बात बदल लेते हो। इसीलिए तो मेरी मुस्कान चली गई है। थोड़ी भी हंसने–मुस्कुराने की वजह आई नहीं कि पूछताछ करने लगते हो। अब इंसान क्या किसी वजह से ही हंसे–मुस्कुराए? बिना बात भी तो मुस्कुरा सकता है। तुम्हारा तो एक ही काम है। जब देखो तब यही पूछते रहते हो कि आज खाने में क्या बनाया है३। जो बन जाए खा लेना। मैं कौन से छप्पन भोग खाऊंगी, वही खाऊंगी जो तुम्हारे लिए बनेगा। जब भी हंसती–मुस्कुराती हूं, पूछने लगते हो खाने में क्या बनाया है। आदमी क्या खाने के लिए ही जी रहा है?' पति को काटो तो खून नहीं। 'तो मैंने ऐसा क्या कह दिया, जो तुम इतना झींक रहे हो। बात ही तो कर रही हूं। अब कुछ कह–सुन भी नहीं सकती क्या३।' पत्नी टप–टप आंसू गिराने लगी थी। पति हतप्रभ था। क्या करता। पत्नी को मनाने में लग गया।

हवा से आक्सीजन के अलावा भी मिलते हैं पोषक तत्व

मुकुल

ताजी हवा सेहत के लिए फायदेमंद है, यह कोई नई बात नहीं है। हजारों सालों से विभिन्न संस्कृतियों ने प्रकृति और ताजी हवा को स्वास्थ्यवर्धक माना है। हरे भरे बगीचों में सैर करते हुए हम एक नई ताजगी महसूस करते हैं। ताजी हवा में हमारे लिए बहुत कुछ होता है। हम इसके लाभों से पूरी तरह से अवगत नहीं हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि मनुष्य हवा से भी कुछ पोषक तत्व ग्रहण कर सकता है और वैज्ञानिकों ने इस बारे में पुख्ता सबूत भी जुटाए हैं। सांस के जरिए लिए जाने वाले पोषक तत्व एयरोन्यूट्रिएंट्स (हवाई पोषक तत्व) कहलाते हैं जबकि आंतों द्वारा अवशोषित किए जाने वाले तत्वों को गैस्ट्रोन्यूट्रिएंट्स कहा जाता है। एडवांस इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने लिखा है कि सांस के जरिए हमारे आहार में जिंक, मैगनीज और आयोडीन जैसे जरूरी पोषक तत्वों को शामिल किया जा सकता है। हम प्रतिदिन लगभग 9,000 लीटर हवा अंदर लेते हैं। जीवन काल में 43.8 करोड़ लीटर हवा हमारे शरीर में पहुंचती है। खाने के विपरीत, सांस लेना कभी बंद नहीं होता। हवा के घटकों के संपर्क में आने की मात्रा समय के साथ बढ़ती जाती है, भले ही उनकी सांद्रता कम हो। अभी तक वायु के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में अधिकांश शोध प्रदूषण पर केंद्रित रहे हैं। हमारे लिए क्या फायदेमंद हो सकता है, इस पर ध्यान देने के बजाय हमारा फोकस इस बात पर है कि क्या बुरा है। हवाई पोषक का विचार विज्ञान पर आधारित है। उदाहरण के लिए ऑक्सीजन तकनीकी रूप से एक पोषक तत्व है। सभी जानते हैं कि यह रासायनिक पदार्थ शरीर के बुनियादी कार्यों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। हवाई पोषक तत्व मुख्य रूप से नाक, फेफड़े और गले के पीछे छोटी रक्त वाहिकाओं के नेटवर्क के माध्यम से अवशोषित होकर हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। फेफड़े आंत की तुलना में कहीं अधिक बड़े अणुओं को अवशोषित कर सकते हैं। ये अणु 260 गुना बड़े होते हैं। ये अणु रक्तप्रवाह और मस्तिष्क में अवशोषित होते हैं। सांस के जरिए ली जाने वाली दवाएं जैसे कोकेन, निकोटीन और एनेस्थेटिक दवाएं कुछ ही सेकंड में शरीर में प्रवेश कर जाती हैं। वे मुंह से ली जाने वाली दवाओं की तुलना में बहुत कम सांद्रता पर प्रभावी होती हैं। इसकी तुलना में आंत एंजाइम और एसिड के साथ पदार्थों को उनके सबसे छोटे भागों में विभक्त कर देती है। आंत स्टार्च, शर्करा और अमीनो एसिड को ग्रहण करने में बहुत अच्छी है, लेकिन यह कुछ खास प्रकार की दवाओं को लेने में इतनी अच्छी नहीं है। वास्तव में, वैज्ञानिक दवाओं को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम उन्हें मुंह से प्रभावी ढंग से ले सकें। सांस के जरिए महत्वपूर्ण तत्वों के शरीर में प्रवेश का विचार नया नहीं है। 1960 के दशक के शोध में पाया गया कि हवा में आयोडीन

के संपर्क में आने वाले कपड़े धोने वाले कर्मचारियों के रक्त और मूत्र में आयोडीन का स्तर अधिक था। हाल ही में, आयरलैंड के शोधकर्ताओं ने समुद्री शैवाल से समृद्ध तटीय क्षेत्रों के पास रहने वाले स्कूली बच्चों का अध्ययन किया, जहां वायुमंडलीय आयोडीन गैस का स्तर बहुत अधिक था। इन बच्चों के मूत्र में काफी अधिक आयोडीन था और कम समुद्री शैवाल वाले तटीय क्षेत्रों या ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की तुलना में उनमें आयोडीन की कमी होने की संभावना कम थी। उनके आहार में आयोडीन में कोई अंतर नहीं था। इससे पता चलता है कि हवा में मौजूद आयोडीन विशेष रूप से बहुत अधिक समुद्री शैवाल वाले स्थानों में मौजूद आयोडीन आहार में इस तत्व के पूरक के रूप में काम आ सकती है। यह इसे एक एरोन्यूट्रिएंट बनाता है जिसे हमारा शरीर सांस के माध्यम से अवशोषित कर सकता है। गंध की इंद्रिय और श्वसन प्रणाली में सिलिया (बाल जैसी संरचना) में विशेष रिसेप्टर्स होते हैं जो संभावित एरोन्यूट्रिएंट्स की शृंखला से बंध सकते हैं। इनमें कोलीन, विटामिन सी, कैल्शियम, मैगनीज, मैग्नीशियम, आयरन और यहां तक कि अमीनो एसिड जैसे पोषक तत्व शामिल हैं। 70 साल पहले प्रकाशित शोध से पता चला कि स्प्रे के रूप में विटामिन बी12 का प्रयोग इस विटामिन की कमी का इलाज कर सकता है। यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिनमें बी12 की कमी की दर अधिक है। इनमें शाकाहारी, वृद्ध लोग, डायबिटीज से पीड़ित लोग और अत्यधिक शराब का सेवन करने वाले लोग शामिल हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मैगनीज और जिंक नाक में गंध को महसूस करने वाली स्नायु कोशिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क में प्रवेश कर सकते हैं। मैगनीज एक आवश्यक पोषक तत्व है, लेकिन इसका बहुत अधिक सेवन मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है। यह वेल्डर में देखा जाता है, जो हवा से उच्च स्तरों के संपर्क में आते हैं और उनमें मैगनीज का जमाव हानिकारक स्तर पर होता है। एयरोन्यूट्रिएंट्स के बारे में अभी भी बहुत सी अज्ञात बातें हैं। सबसे पहले, हमें यह पता लगाना होगा कि हरे भरे स्थानों, जंगलों, समुद्र और पहाड़ों जैसी प्राकृतिक सेटिंग्स में हवा के कौन से घटक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। आज तक, शोध मुख्य रूप से विषाक्त पदार्थों और पराग जैसे एलर्जी कारकों पर केंद्रित रहा है। हमें यह निर्धारित करने की आवश्यकता होगी कि हवा से कौन से घटक एरोन्यूट्रिएंट्स के रूप में वर्गीकृत किए जा सकते हैं। यह देखते हुए कि स्प्रे के रूप में विटामिन बी12 पहले प्रभावी साबित हुआ है, आगे की शोध से यह पता लगाया जा सकता है कि क्या विटामिन डी जैसे अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों को स्प्रे में बदल कर पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सकता है। दुख की बात यह है कि ताजी हवा के महत्व को समझते हुए भी हम हवा को प्रदूषित होने से नहीं रोक पा रहे हैं। उत्तरी भारत में हर साल सर्दियां आरम्भ होते ही हवा प्रदूषित होने लगती है और आकाश में सूक्ष्म पदार्थ अथवा पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा बढ़ती जाती है। अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स लगातार बढ़ता जाता है। कई लोगों को सांस संबंधी तकलीफ होने लगती हैं। हवा का भरपूर लाभ उठाने के लिए उसका स्वच्छ होना जरूरी है। मौसमी कारणों से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकना बहुत मुश्किल है लेकिन हम इंसानी गतिविधियों पर अंकुश लगाकर हवा में प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी को जरूर कुछ कम कर सकते हैं।

सीओ की अध्यक्षता में हुआ थाना समाधान दिवस का आयोजन

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना परिसर में सीओ की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शनिवार को पाली थाना परिसर में सीओ अनुज कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थाना समाधान दिवस में कुल 22 शिकायती पत्र प्राप्त हुये। सभी शिकायती पत्र राजस्व विभाग से संबंधित थे। जिसमें से किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित लेखपालों को शिकायती पत्र सौंपते हुये जल्द निस्तारण के निर्देश दिए गये। सीओ अनुज कुमार मिश्रा ने लेखपालों को निर्देशित करते हुए कहा कि संबंधित कर्मचारी मौके पर जाकर फरियादियों की भूमि विवादों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण गंभीरता से लेते हुए ससमय गुणवत्तापूर्ण किया जाये। और उन्होंने कहा कि भूमि विवादों का निपटारा करने के लिए जहाँ कहीं भी पुलिस बल की आवश्यकता है वहाँ तत्काल राजस्व कर्मियों को पुलिस फोर्स मुहैया कराया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ कहीं भी भूमि विवाद हो वहां पुलिस एवं राजस्व कर्मी संयुक्त टीम के माध्यम से सामंजस्य स्थापित कर भूमि से संबंधित विवादों का निस्तारण प्रमुखता से करें। थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दुबे मौके पर मौजूद रहे। सीओ और प्रभारी निरीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना साथ ही राजस्व से संबंधित सभी शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर उपनिरीक्षक राकेश कुमार यादव,एसआई अनुज कुमार,महिला सब इंस्पेक्टर आकांक्षा सिंह आदि , राजस्व कर्मियों में मुख्य रूप से कानूनगो विजय कुमार मौर्या,लेखपाल सतीश कुमार ,गौरव यादव, चकबंदी लेखपाल शिशुपाल नायक के अलावा अन्य राजस्व व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

राजकीय हाई स्कूल, धनुवासांड, मोहनलालगंज, लखनऊ में शौचालय निर्माण परियोजना का लोकार्पण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एल्डिको हाउसिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से राजकीय हाई स्कूल, धनुवासांड, मोहनलालगंज में निर्मित शौचालय का लोकार्पण हुआ द्य कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान, दीप प्रज्जवलन, माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण से हुआ द्य मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का प्रतीक चिन्न से सम्मान किया गया। स्कूल के छात्रो ने स्वागत गीत, स्वच्छता पर आधारित नाट्य प्रस्तुति की। मुख्य अतिथि आदरणीय श्री अशोक कुमार जी, माननीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, उत्तर प्रदेश ने शौचालय का लोकार्पण किया । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री एस. के. जग्गी, मुख्य संचालन अधिकारी, एल्डिको हाउसिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, श्री हर्ष वर्धन अग्रवाल, प्रबंध न्यासी, हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट, श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, प्रधानाचार्या, राजकीय हाई स्कूल, धनुवासांड, मोहनलालगंज, लखनऊ, स्कूल के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्रये उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार ने अपने आशीर्वचन मे कहा कि आज इस शुभ अवसर पर यहां उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है । हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट और एल्डिको हाउसिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से निर्मित इस शौचालय का लोकार्पण विद्यालय और समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। शिक्षा और स्वच्छता साथ–साथ चलती हैं । यह शौचालय न केवल स्वच्छता और स्वास्थ्य का प्रतीक है, बल्कि बच्चों के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण का भी आधार है । 'स्वच्छ भारत अभियान' को सशक्त बनाने में ऐसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मैं हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट और श्री हर्ष वर्धन अग्रवाल जी की टीम के प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने यह प्रेरणादायक कार्य किया। साथ ही, एल्डिको हाउसिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को धन्यवाद देता हूं, जिनके सहयोग से यह परियोजना संभव हुई द्य यह पहल विद्यालय के बच्चों और समुदाय के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी । हम सभी का कर्तव्य है कि इन

सुविधाओं का सही उपयोग करें और स्वच्छता बनाए रखें। श्री हर्ष वर्धन अग्रवाल ने कहा कि इस शौचालय के निर्माण का उद्देश्य विद्यालय में स्वच्छता की स्थिति को बेहतर बनाना और विद्यार्थियों मे स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है । यह परियोजना छात्रों और समुदाय के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करती है । इस पहल से न केवल विद्यालय के विद्यार्थियों को लाभ होगा, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा । हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट और एल्डिको हाउसिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सामूहिक रूप से इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया, जो समाज को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति एक नई दिशा प्रदान करता है। बता दे कि हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना 2012 में लखनऊ, उत्तर प्रदेश में जनहित और जनकल्याण के उद्देश्य से की गई थी। पिछले 12 वर्षों में, इस ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश में एक सम्मानित जनकल्याणकारी संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है । ट्रस्ट, आदरणीय संरक्षक पद्मभूषण स्वर्गीय गोपाल दास नीरज, पद्मश्री स्वर्गीय अनवर जलालपुरी, और पद्मश्री अनूप जलोटा के मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक, सांस्कृतिक, और सामाजिक उन्नति के लिए सक्रिय है। ट्रस्ट "सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास, सबका प्रयास" को अपना आदर्श मानते हुए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है, जैसे सिया राम की रसोई, वस्त्र वितरण, रक्तदान, बाल गोपाल शिक्षा योजना और जनहित जागरूकता अभियान। कोरोना महामारी के दौरान, ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को भोजन, मास्क, सैनिटाइजर, और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान करके अपनी जनसेवा की प्रतिबद्धता को सिद्ध किया। ट्रस्ट ने लखनऊ में वृद्धा आश्रम, अनाथालय, भगवत गीता सेंटर, और हेल्प यू एकेडमी ऑफ स्पिरिचुअल म्यूजिक जैसी परियोजनाओं को प्रारंभ किया है और देशभर की राजधानियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कार्यालय स्थापित कर रहा है। ट्रस्ट की प्रबंध समिति में श्रीमती किरन अग्रवाल, श्री हर्ष वर्धन अग्रवाल और डॉ. रूपल अग्रवाल की सक्रिय भूमिका, साथ ही पद्मश्री अनूप जलोटा का मार्गदर्शन, इसे निरंतर नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

तिकोनिया पार्क में सजने लगा अतिथियों के लिए भव्य मंच – तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान करने में जुटा आयोजन मंडल

सुल्तानपुर। जिले में पहली बार होने जा रहा सामाजिक न्याय महासम्मेलन की तैयारियां अब अंतिम चरण में है। गलन भरी सर्दी में आयोजन मंडल के पदाधिकारी अतिथियों के लिए भव्य मंच और श्रोताओं के लिए बड़ा पंडाल सजवाने में पसीना बहा रहे हैं। करीब माह भर से चली आ रही तैयारियों का आकलन करे तो महासम्मेलन में रविवार को जनसैलाब उमड़ने की संभावना जताई जा रही है।

बता दे कि सुल्तानपुर जिले के तिकोनिया पार्क में 15 दिसंबर को एक दिवसीय सामाजिक न्याय महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। भारतीय संविधान एवं वर्तमान चुनौतियाँ " एक व्यापक विमर्श" पर नामी गिरामी विद्वान वक्ता अपने अपने विचार रखने जिले में पहुँच रहे हैं। यह जानकारी आयोजन मंडल के जीआईसी भदैया के प्राचार्य डा.राजकरन ने दी है। बताया कि सुबह 10 बजे से दोपहर 12 तक सांस्कृतिक कार्यक्रम चलेगा, 12 बजे से शाम 5 बजे तक उद्बोधन का समय रखा गया हैमहासम्मेलन में सामाजिक चिंतक एवं विचारक राम लौटन निषाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। लखनऊ विवि के प्रोफेसर डा. रविकांत बतौर मुख्य अतिथि और उत्तर प्रदेश राज्य विधुत उपभोक्ता परिषद के चेयरमैन अवधेश वर्मा प्रमुख अतिथि सभा को संबोधित करेंगे। इनके अलावा दिल्ली विवि के प्रोफेसर डा. संदीप कुमार, पत्रकार नीरज पटेल, पूर्व निदेशक यूपीपीसीएल केबी राम, पूर्व निदेशक कृषि डा. रामशब्द जैसवारा विशेष अतिथि शामिल होंगे। प्रख्यात लेखक और चिंतक प्रोफेसर डा.लक्ष्मण यादव महासम्मेलन को बतौर मुख्यवक्ता संबोधित करने आ रहे हैं। महासम्मेलन को संबोधित करने आ रहे सभी दिग्गज वक्ता पाखंडवाद, पूँजीवाद, अंधविश्वास और जन विरोधी शासन सत्ता की नीतियों के खिलाफ तीखा प्रहार करने के लिए जाने जाते हैं। इन वक्ताओं को सुनने के लिए जिले ही नहीं, पड़ोसी जनपदों से भी लोगों के आने की संभावना है।

बीत गए 15 दिन नहीं लौटे पंचायत सचिव अब घर वालों की टूटने लगी आस

सुलतानपुर। संदिग्ध परिस्थितियों में पखवारे भर से लापता पंचायत सचिव नील कमल का अभी तक सुराग नहीं लग सका है लगातार 15 दिनों से उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है परिजनों से संपर्क टूटने से अनहोनी की आशंका बढ़ती जा रही हैं बताया जाता है कि नील कमल की लास्ट लोकेशन चेन्नई में 30 नवंबर को मिली थी उसके बाद से कुछ पता नहीं चल पा रहा है परिवार वाले अब पुलिस प्रशासन से खोजबीन किए जाने की मांग कर रहे हैं बताते चले कि मूलत गोसाईंगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सैफुल्लागंज निवासी नील कमल कनौजिया भदैया ब्लॉक में पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत हैं वर्तमान में उनकी भदैया ब्लॉक के बालमपुर सौराई बोखरेपुर कैभा समेत करीब दर्जन भर ग्राम पंचायतों तैनाती है बताया जाता है कि सचिव नील कमल सप्ताह 6 दिन की छुट्टी लेकर भुवनेश्वर चचेरी बहन की शादी में शामिल होने गए थे शादी समारोह संपन्न होने के बाद 29 नवंबर को वह भुवनेश्वर से चेन्नई घूमने के लिए निकले थे 30 नवम्बर को चेन्नई में उनकी लोकेशन भी मिली है परंतु उसके बाद से अचानक उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया जबकि 1 दिसंबर को उन्हें ड्यूटी ज्वाइन करनी थी परंतु लगातार उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है आज तक किसी से कोई संपर्क नहीं हो सका है नील कमल के भाई सुनील कुमार का कहना है कि काफी प्रयास के बाद कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है कहाँ हैं कैसे हैं कुछ पता नहीं चल रहा है घर वाले अनहोनी की आशंका से भयभीत हैं उन्होंने ने बताया कि गोसाईगंज थाने में तहरीर लेकर गए थे वहां बताया गया कि जहां से गायब हुए हैं वही मुकदमा दर्ज होगा इस बाबत जब गोसाईगंज थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि अभी उन्हें कोई तहरीर नहीं मिली है उनसे सचिव के परिवार से कोई मिलने भी नहीं पहुंचा तहरीर मिलने पर ही कुछ किया जा सकता है।

महापौर व नगर आयुक्त ने किया अयोध्या धाम बस स्टेशन के निकट नवनिर्मित 300 बेड की क्षमता के स्थाई आश्रय स्थल किया निरीक्षण

अयोध्या। शनिवार को महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने अयोध्या धाम बस स्टेशन के समीप 300 बेड की क्षमता के नवनिर्मित स्थायी अश्रय स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया।बताते चले कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के घटक शहरी बेघरों के लिये आश्रय योजना के अन्तर्गत अयोध्या नगरी में शहरी बेघरों को को आश्रय प्रदान किए जाने हेतु आश्रय स्थल का निर्माण किया गया है।इस आश्रय स्थल में भूतल पर नग डारमेटरी 69 व्यक्तियों के लिये, प्रथम तल पर 09 डारमेटरी 92 व्यक्तियों के लिये, द्वितीय तल पर 30 डायमेटरी 73 व्यक्तियों के लिये तृतीय तल पर 26 कमरा 52 व्यक्तियों के लिये एवँ डारमेटरी 15 व्यक्तियों हेतु कुल 300 व्यक्तियों के लिये 300 दीवान की व्यवस्था की गई है। महापौर ने बताया कि अयोध्या एक प्राचीन आध्यात्मिक एवं धार्मिक नगरी के रूप

में विकसित हो रही है अयोध्या नगरी में शहरी बेघरों हेतु सुविधार्थ 300 बेड की क्षमता के स्थायी आश्रय स्थल निर्माण करवाया गया है। जिसमें श्रद्धालुओं शीत ऋतु में आश्रय की सुविधा का लाभ निःशुल्क प्राप्त कर सकते है। ठंड में वृद्धि के दृष्टिगत अस्थाई रैन बसेरों की स्थापना की जा रही है। नगर आयुक्त महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि शीत ऋतु में वृद्धि के दृष्टिगत नगर निगम पूर्ण रूपेण संवेदनशील है।निगम सीमांतर्गत स्थाई/अस्थाई रैन बसेरों की स्थापना के साथ साथ प्रमुख स्थानों यथा रेलवे स्टेशन/चिकित्सालय पर सहित प्रमुख चौराहों परअलाव जलाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।निषादराज गुहा आश्रय स्थल के यथाशीघ्र संचालन की प्रक्रिया शुरू किये जाने के निर्देश दिये गये है।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री एवं विधायक ने हरपालपुर थाने के भवन का किया शिलान्यास

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) शनिवार को राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी व विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू द्वारा हरपालपुर में पुलिस थाने के प्रशासनिक एवं आवासीय भवन का शिलान्यास व भूमिपूजन किया गया। राज्यमंत्री व विधायक, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने भूमि पूजन यज्ञ में भाग लिया। पुरोहितों ने मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ की प्रक्रिया पूरी की। भूमि पूजन यज्ञ के उपरांत अतिथिगण ने उदघाटन शिलापट का अनावरण किया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्य मंत्री उच्च शिक्षा ने कहा कि सरकार हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है। महिला सशक्तिकरण के लिए अच्छी कानून व्यवस्था जरूरी है। सरकार पुलिस को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रही है। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के कारण लोग आज न्याय मांगने के लिए लखनऊ नहीं जाते हैं। आज का उदघाटन एक अदभुत क्षण है। उन्होंने विधायक को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज का क्षण इस क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व क्षण है। 25 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले भवन से हमारे पुलिस कर्मियों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। कटरी क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने में पुलिस ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। विगत बाढ़ में जिलाधिकारी की सक्रियता व उद्योगों की स्थापना के लिए उनके प्रयासों की उन्होंने सराहना की। राकेश मिश्रा ने मंच का संचालन किया। पुलिस अधीक्षक ने सभी अतिथियों का आभार जताया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अनोखे लाल कश्यप व अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चित्रगुप्त सभा धर्मशाला रूहटा के पूर्व अध्यक्ष डा वी सहाय का निधन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चित्रगुप्त सभा धर्मशाला रूहटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ वी सहाय जी का कल कानपुर में निधन हो गया आज अंतिम संस्कार कानपुर में हुआ। डॉ वी सहाय जी ताड़तला मुहल्ले के निवासी थे। डॉ वी सहाय जी एक समाजसेवी थे जो सदभावना क्लब, जे सी आई, आई एम ए संघ के सदस्य रहे सद्भावना पुल बनाने की मांग में योगदान रहा। श्री चित्रगुप्त धर्मशाला रूहटा में जो भी निर्माण हुआ डॉ वी सहाय जी की देन हैं इनकी क्लीनिक किला रोड चौक में थी।इनके निधन पर राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट, डॉ जितेन्द्र मोहन, राकेश मौर्य एडवोकेट, संजय श्रीवास्तव,योगेश भाटिया, राकेश श्रीवास्तव साधु, सुरेश अस्थाना, कायस्थ महासभा के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव, अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव राजा, उमेश श्रीवास्तव, उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल, राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार, चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव महामंत्री श्यामलकांत श्रीवास्तव, संतोष निगम, आदि ने शोक व्यक्त किया है। चित्रगुप्त सभा के महामंत्री श्यामलकांत श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि समाज की गहरी क्षति हुई है। जल्दी ही चित्रगुप्त धर्मशाला रूहटा में एक श्रंद्धाजलि सभा आयोजित किया जाएगा।

मसौधा व मिझौडा चीनी मिल तक गन्ना लाने में हो रहा अवैध ट्रालों का उपयोग

अयोध्या। खासकर विभिन्न थाना क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों से मसौधा व मिझौडा चीनी मिलों तक जा रहे इन दिनों गन्ना भरे ओवरलोड वाहन दुर्घटना का मुख्य कारण बने हुए है।इससे न सिर्फ सडक हादसों की आशंका बनी रहतीं है।क्योंकि इन ट्राला के चलती जगह–जगह पर जाम की स्थित बनी रहती हैं।इन दिनों किसानों द्वारा गन्ने को ट्रेक्टर ट्रालियों व अवैध ट्राला के माध्यम सें ओवरलोड कर लाद कर मसौधा व मिझाडा मिलों में ले जा रहे हैं।किसानों के अलावा मिल के ट्रेक्टरों, किराए के ट्रेक्टरों में भी गन्ना ढोया जाता है।इन ट्रालियों में अधिकतर क्षमता से अधिक गन्ना लदा देखा जाता है।जिससे कई प्रकार की समस्याएं गन्ना ढुलाई के दौरान सामने आती हैं।चीनी मिलों द्वारा क्षेत्र में बनाए गए तौल केंद्रों पर एकत्र होने वाले गन्ने को ट्रकों द्वारा भेजा जा रहा है।गन्ना क्रय केंद्रों से ट्रकों को ओवरलोड कर भर दिया जाता है जो सड़कों पर चलते आ नजर आते हैं।सबसे अधिक खतरा घुमाव वाले रास्ते पर इनके पलट जाने का खतरा बना रहता हे।इस तरह के वाहन अब से पहले पलटे भी हैं।इस कारण कभी भी बडा हादसा हो सकता है।आए

दिन ओवरलोड गन्ना ट्राली जब सड़कों के गडढों या असमतल सड़कों से होकर गुजरती है तो उसके पलटने का खतरा बना रहता है।सबसे अधिक जोखिम सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक व दूसरे राहगीरों को रहता है।बताया जाता है जल्दबाजी के चक्कर में कटाई ठेकेदारों द्वारा लापरवाही पूर्वक गन्ने की ट्राली भरी जा रही हैं।उनके द्वारा गन्ने को ठीक से लोड नहीं किया जाता। इससे सड़क पर कोई गडढा आने ट्राली का जरा सा जर्क लगने पर लदे गन्ने नीचे सड़क पर गिरने लगते हैं। इनसे पीछे से आ रहे दूसरे वाहन चालकों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।ट्रालियों के पीछे कोई रिफ्लेक्शन या बैकलाइट नहीं होने से कई बार कोहरे में आने वाली गाड़ियां उन्हें देख नहीं पाती।जिससे दुर्घटना बढ़ती है।हालांकि यह नियम में है कि ट्रालियों के पीछे रिफ्लेक्टर लगाए जाए ताकि वह पीछे से आई हुई गाड़ी देखकर निकल सके।लेकिन किसानों की गाडियो पर कोई रिफ्लेक्टर नही होता।यातायात विभाग आंखें मूंदे रहता है.यातायात विभाग के लापरवाही और मिल प्रबंधन की मनमानी इतने पर ही खत्म नहीं होती।कांटों से मिलों तक लाने के लिए मिल प्रबंधन अपनी व्यवस्था करता है। क्योंकि उसके लिए सरकार को टैक्स आदि मिलाकर महंगी पेमेंट देनी पड़ती है. पैसा बचाने के लिए मिल प्रबंधन के द्वारा गन्ना ढोने में दूनी या तीन गुने आकर के अवैध ट्रालो का निर्माण कराया जाता है।उन्हें खींचने के लिए ट्रैक्टर का प्रयोग होता है।जो ट्रैक्टर कृषि कार्य के लिए रजिस्टर्ड है

पर कमर्शियल कामों में जिले में इसका अंधाधुंध प्रयोग हो रहा है।जिससे सरकार को मिलने वाले टैक्स की चोरी होती वही दूसरी ओर ट्रैक्टर से जुड़े इन ट्रालों को कई बार ओवरटेक करने में गलत अंदाज लगता हैं।परंतु इस गंभीर समस्या पर आरटीओ विभाग के साथ साथ स्थानीय थानों के कर्मी व यातायात विभाग चुप्पी साधे हुए है।

सूर्य कान्त अस्थाना को इंफोसिस में सिस्टम इंजीनियर के रूप में नियुक्ति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) 2022 बैच के स्वर्ण पदक विजेता छात्र सूर्य कान्त अस्थाना को इंफोसिस में सिस्टम इंजीनियर के पद पर नियुक्ति मिली है। उन्हें कर्नाटक के मैसूर में अपनी प्रथम ज्वाइनिंग देनी होगी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें 3.6 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज का ऑफर मिला है। इस मामले में शनिवार को जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी ने बताया कि सूर्य कान्त ने जनवरी 2023 से फरवरी 2024 तक विश्वविद्यालय के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। उनके योगदान को विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने सराहा। उनकी इस उपलब्धि पर पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह, कुलानुशासक प्रो. राज कुमार, और विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सूर्य कान्त ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और माता–पिता को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत के साथ–साथ गुरुजनों के मार्गदर्शन और माता–पिता के आशीर्वाद ने इस सफलता को संभव बनाया। यह नियुक्ति उनकी मेहनत और समर्पण का प्रतिफल है। सूर्य कान्त की इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि विश्वविद्यालय भी गौरवान्वित है। उनके जैसे छात्रों की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देती हैं। उनके करियर की यह शुरुआत उनकी उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है।

हरदोई के शिक्षक दिलीप सिंह को निपुण भारत मिशन में उत्कृष्ट शिक्षक का मिला सम्मान

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) कहते हैं शिक्षक भविष्य का निर्माण करता है, सभी शिक्षक अपने शिक्षार्थियों शिक्षा प्रदान करते हैं जिससे वे अपने–अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सके, पर कुछ ऐसे शिक्षक होते हैं जिनके जीवन का उद्देश्य ही छात्र–छात्राओं का उत्तरोतर विकास होता है, ऐसे ही शिक्षकों को उत्तर प्रदेश सरकार का बेसिक शिक्षा मंत्रालय हर वर्ष पुरस्कार देता है। इस वर्ष हरदोई से शिक्षक दिलीप सिंह का चयन किया गया है। जिन्हें आज 14 दिसंबर को लखनऊ में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षक दिलीप जनपद के बावन ब्लॉक के उधारनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक हैं। उनके इस सम्मान से हरदोई के शिक्षकों व उनके शुभ चिंतकों में खुशी की लहर है। सभी उन्हें बधाईयां दे रहें हैं।

रफ्तार का कहर – सड़क हादसे में युवक की मौत

सुलतानपुर। शुक्रवार शाम दर्दनाक हुआ सड़क हादसा डम्फर की टक्कर से एक युवक की मौत दूसरा व्यक्ति घायल गंभीर रूप से घायल युवक को निकट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कराया गया भर्ती बल्दीराय थाना क्षेत्र हलियापुर–कूरेभार बेलवाई मार्ग के बहुरावा बाजार के पास हुआ सड़क हादसा मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के ग्राम संझौवा निवासी पिन्टू (26) पुत्र जियालाल के रूप में साइकिल सवार घायल की पहचान ग्राम पूरे सुकाल मजरे तुलसीपुर निवासी राम सुमिरन पुत्र राम पदारथ उम्र (65) वर्ष के रूप में सूचना पर पहुँची पुलिस शव का पंचनामा करवाने के पश्चात पोस्टमार्टम के लिए भेजी डेड बॉडीघ बल्दीराय थाना प्रभारी ट्रेनी सीओ आशुतोष कुमार बोले दुर्घटना में मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ सिलाई एवं प्रशिक्षण केंद्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ, जिला 312 ने मलिहाबाद क्षेत्र की पिछड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक नई पहल शुरू की। 12 दिसंबर 2024, गुरुवार को सुबह 11:30 बजे गोपेश्वर गौशाला, मलिहाबाद में इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ सिलाई व प्रशिक्षण केंद्र स्कूल का उद्घाटन किया गया। यह प्रोजेक्ट महिला सशक्तिकरण विकास कार्यक्रम व कुशल प्रशिक्षण का हिस्सा है, जिसका

उद्देश्य महिलाओं को उनके जीवनयापन में सुधार लाने और अपने परिवारों की बेहतर देखभाल करने के लिए आवश्यक कुशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित हुए और भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस पहल का नेतृत्व क्लब की अध्यक्ष संगीता मित्तल और पास्ट प्रेसिडेंट मालविका गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पास्ट प्रेसिडेंट रीता सिंह, सजीला गर्ग, शोभना गुप्ता इत्यादि उपस्थित थे।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान अन्तर्जनपदीय चोर गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेवढ़िया थाना अंतर्गत पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान अन्तर्जनपदीय चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पैर में गोली लगी है। उसके कब्जे से देशी तमंचा, कारतूस और बिना नम्बर की प्लेटिना बाइक बरामद हुई है। थानाध्यक्ष नेवढिया पुलिस फोर्स के साथ शुक्रवार की रात्रि

गश्त और चेकिंग अभियान पर थे । तभी अढ़नपुर की तरफ से एक बाइक सवार आता दिखा । उसे रोकने की कोशिश की गई तो भागने लगा । तत्काल इसकी सूचना जिला नियंत्रण कक्ष और गश्त कर रही दूसरी टीमों को दी गई । सभी टीमों ने घेराबंदी की । होरैया गेट नहर पुलिया के पास बाइक सवार को दोनों तरफ से घेर लिया गया । बाइक सवार ने पुलिस पर फायर झोंक दिया । आरोपी ने दो राउंड फायर किया लेकिन दोनों मिस हो गए इस बीच पुलिस ने इस बीच उसे धर दबोचा । इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम भुवालचन्द्र सेठ पुत्र छल्लर सेठ निवासी अईनच थाना ऊँच जनपद भदोही बताया । उसके पास से तमन्चा, कारतूस और प्लेटिना बाइक ।बरामद हुई । गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ 2022 से अब तक जौनपुर और भदोही जिलों के थानों में कुल 15 मामले पहले से दर्ज हैं । उसके खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी हो चुकी है।

बन्द घर मे घुसकर गहना उठा ले गए चोर

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/जफराबाद। क्षेत्र के रामनगर भड़सरा मुहल्ले में स्थित एक बन्द मकान का तोड़कर चोर एक लाख रुपये से ज्यादा का गहना उठा ले गए।घटना की जानकारी पीड़ित को वापस आने के बाद हुई। ऊक्त मुहल्ले में वीर सिंह पुत्र विजयप्रताप सिंह का मकान है। वह 10 दिसम्बर को अपने भाई की शादी में शामिल होने परिवार सहित गांव चले गए थे।शादी बीतने के बाद वे गुरुवार को मकान पर वापस आये।वहां पर देखा कि चोर घर का ताला तोड़कर घर मे रखा तीन सोने की चौन,कान का झुमका,पायल व एक पैजनी उठा ले गए।चोर जाते समय घर मे लगा सीसी कैमरा भी उखाड़ ले गए। हालांकि के कैमरे से एक फोटो मोबाइल पर मिली है।वह उसी चोर की है।

मां की लाश लिए बेटा करता रहा फरियाद जिम्मेदार बोले– कफन और पैकिंग के लिए लाओ दो हजार, तब होगा पोस्टमार्टम

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के गोंडा में आंखों में आंसू लेकर मां के लिए कफन व शव को सील करने की सुविधा शुल्क में छूट पाने के लिए झंझरी विकासखंड के पास पेरीगांव के रहने वाले हीरा सिंह सीएमएस व सीएमओ कार्यालय के चक्कर काट रहे थे। लेकिन, किसी भी जिम्मेदार का दिल नहीं पसीजा। अस्पताल आए एक अन्य व्यक्ति को दया आई तो उसने कफन व अन्य जरूरी चीजों का इंतजाम करवा दिया। बृहस्पतिवार दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर मेडिकल कॉलेज के सीएमएस कक्ष में हीरा सिंह नाम का एक व्यक्ति दाखिल हुआ। सीएमएस डॉ. अनिल तिवारी से पीड़ित ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि उसकी मां गीता सिंह (50) को बुधवार शाम तीन बजकर 15 मिनट पर भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाने की संभावना जताते हुए उपचार शुरू किया। बृहस्पतिवार को उनकी मौत हो गई। शव को अस्पताल के पास बने मोर्चरी में रखा गया है। वहां उपस्थित कर्मचारी लाश को सील करने के लिए कफन, लाश पैकिंग व अन्य संस्थान के लिए दो हजार रुपये मांग रहा है। वहीं 1200 रुपये वाहन के माध्यम से पोस्टमार्टम हाउस तक ले जाने का किराया भी मांगा गया है। सीएमएस डॉ. अनिल तिवारी ने संवेदना तो जताई, लेकिन अस्पताल से लाश पैकिंग की व्यवस्था न होने का हवाला देकर सीएमओ के पास भेज दिया। यहां सीएमओ नहीं मिलीं। लेकिन, एक कर्मचारी ने जानकारी दी कि लाश को यहां से पोस्टमार्टम हाउस तक ले जाने का जिम्मा पुलिस का है। वहां से भी निराश लौट रहे हीरा को करुणा सिंह नाम के व्यक्ति ने आर्थिक सहयोग कर कफन व लाश पैकिंग का इंतजाम कराया। मेरे कार्यकाल में पहली घटना सामने आई है। जिसके पास कफन के लिए पैसे नहीं हैं। अभी मुझे जानकारी नहीं है कि यदि परिजनों के पास व्यवस्था न हो तो उसकी उपलब्धता की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की है या पुलिस विभाग की। उच्च अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी। पुलिस की ओर से शव बैग में लाश को रखकर पोस्टमार्टम तक ले जाने की व्यवस्था है। मोर्चरी में किस कर्मचारी ने पैसे की डिमांड की इसकी जानकारी के लिए जांच कराई जाएगी।

ताख पर नियम बिना फिटनेस व परमिट के बच्चों को ढो रहे वाहन

लखनऊ,(संवाददाता)। अभिभावक स्कूल संचालकों को जितनी भी मोटी फीस देते रहें और कोर्ट भी बच्चों को सुरक्षित तरीके से घर से स्कूल भेजने व लाने के लिए निर्देश जारी करता रहे, लेकिन स्थिति अब भी चिंताजनक है। नियम ताख पर होने के कारण हर दिन अपनी जान हथेली पर लेकर नौनिहाल असुरक्षित वाहनों में सफर करते हैं, लेकिन उनकी कोई सुध लेने वाला नहीं है। तहसील क्षेत्र के स्कूलों में बच्चों को लाने, ले जाने के लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से लगाए गए वाहनों के फिटनेस परमिट नहीं हैं। फिर भी यह सड़क पर बेखौफ होकर फर्राटा भर रहे हैं। इन वाहनों को चलाने वाले कई ड्राइवरों के पास लाइसेंस भी नहीं है। लेकिन कार्रवाई तो दूर अब तक इन पर लगाम कसने के लिए विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। परिवहन विभाग सिर्फ वाहन संचालकों व प्रबंधकों को नोटिस भेजकर कार्रवाई का कोरम पूरा कर ले रहा है। लेकिन, वाहन फिट हैं या नहीं, वाहन के अंदर अग्निशमन यंत्र व फर्स्ट एड बॉक्स है या नहीं, इसे देखने की जहमत कोई नहीं करता है। इनकी जांच–पड़ताल सिर्फ अभियान के दिनों में ही होती है। वाहन ही फिट नहीं है तो इसमें बैठने वाले बच्चे कितने सुरक्षित होंगे, इसको आसानी से समझा जा सकता है। यही नहीं बोलेरो, जीप, टेंपो जैसी कुछ प्राइवेट गाड़ियां जो थोड़ी पुरानी हैं और इनका चलन धीरे–धीरे खत्म होता जा रहा है। वहीं स्कूलों वाहनों को कवर भी नहीं किया जाता है, जिससे कभी खतरा हो सकता है। परिवहन विभाग व पुलिस की अनदेखी के चलते बिना पंजीयन वाले स्कूली वाहन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर बेधड़क दौड़ रहे हैं। स्कूल की तरफ से वाहन खरीदे लंबा समय गुजरने के बाद भी कई वाहन मालिकों ने पंजीयन नंबर अंकित कराने की जहमत तक नहीं उठाई है। वहीं जो कराए हैं, वह भी नंबरप्लेट को तोड़ देते है, जिससे गाड़ी का चालान न हो सके। एआरटीओ सर्वेश सिंह ने बताया कि सभी स्कूल संचालकों को वाहन मानक के अनुसार चलाने के निर्देश दिए गए हैं। समय–समय पर अभियान चलाकर स्कूली वाहनों की जांच कर उन पर कार्रवाई भी की जाती है।

प्रदेश के 50 जिलों में शीतलहर का अलर्ट, मौसम विभाग ने जारी की पाला गिरने की भी चेतावनी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में सर्द हवाओं संग ठंड की शुरूआत हो चुकी हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के लगभग 20 से ज्यादा जिलों में पाला पड़ने और अत्यधिक ठंड की चेतावनी जारी किया है। वहीं 50 जिलों में शीतलहर की चेतावनी है। बृहस्पतिवार को अयोध्या, बरेली, झांसी, गोरखपुर, बलिया और बहराइच आदि जिले सर्द हवाओं संग शीतलहर की चपेट में रहे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि ठंडी उत्तर–पश्चिमी हवाओं के असर से शीतलहर के अगले तीन से चार दिन तक चलने और पारे में अभी और गिरावट के आसार हैं। देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर बस्ती कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, अमेठी, सुल्तानपुर अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत व आसपास के इलाकों में। आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। बृहस्पतिवार को उरई में सर्वाधिक 29 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। वहीं वाराणसी में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री और प्रयागराज में 26.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें अयोध्या में सबसे कम 3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बरेली में 5.2 डिग्री और इटावा में 5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा।

परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 20 तक बढ़ाई गई

लखनऊ,(संवाददाता)। माता चंद्रकांता सेवा स्मृति न्यास के मार्गदर्शन और सेवा भारती पानीपत के सहयोग से जाटल रोड पर संचालित संत ईश्वर ज्ञानदीप सेवाधाम में वीरवार को 22वां वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और विशिष्ट अतिथि पैरालंपिक खिलाड़ी सिंहराज अधाना रहे। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सेवाधाम ने इस स्थान को ही शुद्ध नहीं किया बल्कि यहां के लोगों और बच्चों के मन को भी शुद्ध करने का काम किया। उन्होंने कहा कि शुद्ध विचारों को लेकर यह बच्चे अच्छे मुकाम पर कार्य करने की और अग्रसर होंगे यही हमारी कामना है। विशिष्ट अतिथि पैरालंपिक शूटिंग में कांस्य पदक विजेता सिंहराज अधाना रहे। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को पोलियो की दो खुराक अवश्य पिलाएं। स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि सेवा भारती द्वारा परमात्मा की बनाई चीज बच्चों की बहनों की सेवा कर रहे हैं। सर्वांगीण विकास की यह श्रृंखला निरंतर चलती रहे। इससे पहले माता चंद्रकांता स्मृति सेवा न्यास के अध्यक्ष एवं विहिप दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष कपिल खन्ना ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि माता चंद्रकांता शिक्षा को जरूरी मानती थी। उनका कहना था कि किसी को देनी है तो अच्छी शिक्षा दी जाएं। ताकि शिक्षित होकर देश और समाज की सेवा कर सकें। उन्होंने बताया कि ज्ञानदीप सेवाधाम वंचित परिवारों और घुमंतू जनजातियों के बच्चों के जीवन में परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है। ये बच्चे जो कभी कूड़ा बीनने का कार्य करते थे। आज शिक्षा और कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। सेवा भारती हरियाणा प्रदेश के जिलाध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि वंचित समाज के बच्चों को शिक्षा देने के उद्देश्य के साथ इस तरह के स्कूल चलाए जा रहे है।

डॉक्टर को अगवा कर तीन दिन अयोध्या में रखा

लखनऊ,(संवाददाता)। बीबीडी इलाके से होम्योपैथिक डॉक्टर को तीन लोग असलहे के बल पर अगवा कर ले गए। अयोध्या ले जाकर कार में ही बंधक बनाए रखा। सात लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर पीड़ित को तीन दिन बाद मंगलवार रात तिवारीगंज में छोड़ा। बीबीडी पुलिस एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। कई संदिग्धों से पूछताछ जारी है। मूल से बाराबंकी के खसपरिया निवासी डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह वर्तमान में चिनहट के कमता शंकरपुरी कॉलोनी में परिवार संग रहते हैं। उनका इलाके में विश्वास होम्यो क्लीनिक एवं डायबिटीज सेंटर है। डॉ. सुरेंद्र के मुताबिक उनकी पत्नी स्वर्गीय डॉ. गीता सिंह ने चेन्नई की भारत सेवक समाज नाम की संस्था की फ्रेंचाइजी ले रखी थी। यह संस्था डिस्टेंस के तहत पैरा मेडिकल कोर्स कराती है। पत्नी की मौत के बाद सुरेंद्र संस्था का काम देख रहे थे। उनके मुताबिक आठ दिसंबर की सुबह क्लीनिक पर दो युवक पहुंचे और छह बच्चों के दाखिले को लेकर बातचीत की। इसके बाद पेपर पूरे न होने की बात कहते हुए दोनों चले गए और कुछ देर बाद उनसे संपर्क करने की बात कही। थोड़ी देर बाद आरोपियों ने सुरेंद्र को कॉल कर कहा कि उन्हें गोरखपुर के लिए निकलना है। ऐसे में वे क्लीनिक पर नहीं आ पाएंगे। बीबीडी इलाके के गोयल अस्पताल के पास आकर आप छात्रों के कागजात ले जाएं। जैसे ही सुरेंद्र कार से मौके पर पहुंचे एक युवक पिछली सीट पर बैठ गया और दूसरा उनसे बात करने लगा। इस बीच पहुंचा तीसरा युवक असलहे के बल पर सुरेंद्र को धमकाते हुए ड्राइविंग सीट पर बैठ गया। इसके बाद तीनों ने डॉ. सुरेंद्र को कार की पिछली सीट पर लिटा दिया और गोली मारने की धमकी देते हुए 20 लाख रुपये मांगे। डॉ. सुरेंद्र ने रकम देने से इन्कार किया तो आरोपियों ने उन्हें मारा–पीटा। साथ ही उनकी दोनों बेटियों की हत्या करने की धमकी दी। इससे दहशत में आए सुरेंद्र रुपये देने को राजी हो गए। उन्होंने विजयवाड़ा निवासी दामाद अगस्त सिंह से इंडियन ओवरसीज बैंक माती और यूनियन बैंक मुंशीपुलिया ब्रांच के अकाउंट में एक–एक लाख रुपये ट्रांसफर कराए। साथ ही बदायूं में तैनात सीएमएस डॉ. इंदु कांत वर्मा से करीब दो लाख रुपये लिए। तीन लाख रुपये सुरेंद्र के ई–वॉलेट का क्यूआर कोड भेजकर ट्रांसफर कराए गए। डॉक्टर के मुताबिक बदमाश तीन लाख रुपये और मांग रहे थे। उन्होंने जल्द रकम देने की बात कही। इस पर उन्हें छोड़ा। पीड़ित के अनुसार अपहरणकर्ता उन्हें कार में 10 दिसंबर की रात तक अयोध्या में इधर–उधर घुमाते रहे। चार बार कार में पेट्रोल भी डलवाया। इसके कुछ रुपये नकद और कुछ यूपीआई से दिए। एक आरोपी अयोध्या में ही उतर गया। दस की रात तीन बजे तिवारीगंज पहुंचे। यहां कार का टायर फट गया। तब आरोपी उन्हें वहां छोड़कर भाग गए। सुरेंद्र ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उनकी व्हाट्सएप चौट और कॉल लॉग भी डिलीट करवा दिया। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगी हैं। कुछ को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एलडीए ने कर दी फर्जी रजिस्ट्री, परेशान आवंटी काट रहा चक्कर

लखनऊ,(संवाददाता)। बब्लू अली की जमीन एलडीए ने अधिग्रहीत की। इसके एवज में उन्हें वर्ष 2007 में 650 वर्गफीट का प्लॉट ट्रांसपोर्टनगर योजना में आवंटित किया। वर्ष 2008 में फर्जीवाड़ा करते हुए प्लॉट की रजिस्ट्री किसी दूसरे बब्लू के नाम एलडीए ने कर दी। उसने किसी तीसरे व्यक्ति को यह प्लॉट बेच दिया। इधर, एक माह पहले जब वास्तविक बब्लू प्लॉट पर निर्माण कराने पहुंचे तो कुछ लोगों ने प्लॉट अपना बताते हुए विरोध कर दिया। इसके बाद बब्लू पुलिस के पास गए, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। वह थाने से लेकर एलडीए तक चक्कर काट रहे हैं। कैटल कॉलोनी में रहने वाली मम्मो ने बताया कि कॉलोनी के प्लॉट की कुछ जमीन नदी में चली गई और कुछ ग्रीन कॉरिडोर में। उसके बदले एलडीए से प्लॉट मिलना था, लेकिन अब तक नहीं मिला, जबकि बाकी लोगों को मिल गया है। करीब एक साल से चक्कर लगा रही हैं। अब कहा गया है कि फिर से सर्वे कराया जाएगा। पहले भी यही आश्वासन मिला था। एलडीए से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई और निस्तारण के लिए बृहस्पतिवार को मंडलायुक्त रोशन जैकब के जनता दर्शन में नामांतरण में देरी, आवंटित प्लॉट पर कब्जा न मिलने, फर्जी रजिस्ट्री और विस्थापित के तौर पर मकान व प्लॉट न मिलने के 32 मामले आए। इनमें नौ का निस्तारण हुआ, जबकि अन्य में आश्वासन दिया गया। जो मामले आए थे, उनमें से कई दूसरी और तीसरी बार आए थे। इस बार भी उनको आश्वासन ही मिला। वहीं, काम में लापरवाही को लेकर आई शिकायतों के बाद मंडलायुक्त के निर्देश पर एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने एक बाबू को निलंबित कर दिया। इसके अलावा एक अधिशासी अभियंता और बाबू को प्रतिकूल प्रविष्टि दी। जनता दर्शन में आईं राजकुमारी ने बताया कि वह करीब 20 साल से बटलर पैलेस कॉलोनी के सर्वेंट रूम में रहती थीं। आठ महीने पहले पीडब्ल्यूडी ने उसे खाली करा लिया और कहा कि विस्थापित के तौर पर मकान दिया जाएगा, लेकिन अब तक नहीं मिला। बेघर होने के कारण एक अधिकारी ने अपने गैराज में शरण दी है। अयोध्या रोड स्थित पार्श्वनाथ अपार्टमेंट से आए शांतनु मालवीय ने बताया कि उनकी कॉलोनी के पास ही एलडीए ने स्प्रिंग गार्डेन नामक बिल्डर का मानचित्र पास कर दिया है। अब वह उनके अपार्टमेंट से रास्ता निकालने के लिए दीवार तोड़ने की धमकी दे रहा है। यह एलडीए की गलती है, उसने गलत मानचित्र पास किया है। शांतनु ने कहा कि यदि उनके अपार्टमेंट की दीवार तोड़ी गई तो 500 लोग धरना–प्रदर्शन करेंगे। मंडलायुक्त ने जांच कराकर कार्रवाई का भरोसा दिया है। ट्रांसपोर्ट नगर में फर्जी रजिस्ट्री का मामला संपत्ति अधिकारी अनूप शुक्ला के समय का है। वह करीब 10 साल पहले रिटायर हो चुके हैं। उनके समय हुईं कई रजिस्ट्री में फर्जीवाड़े की शिकायतें आई हैं।मंडलायुक्त ने एलडीए वीसी को पूर्व संपत्ति अधिकारी से जवाब तलब करने को कहा है।

दोषी मिलने पर एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं। जनतादर्शन में आईं आजमगढ़ की अंकिता सिंह ने बताया कि गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर–4 में स्थित भूखंड संख्या–4ध620डी के नामांतरण के लिए अप्रैल 2024 में आवेदन किया था। कई बार एलडीए तक दौड़ के लगाने के बाद भी नामांतरण नहीं हो पाया।

अभी कंपाती रहेंगी सर्द हवाएं

लखनऊ,(संवाददाता)। बीते दो दिनों से चल रहीं सर्द हवाएं राजधानी के लोगों को दिसंबर वाली ठंड का अहसास करवा रही हैं। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक दो से तीन दिनों में तापमान में मामूली गिरावट के साथ सर्द हवाओं का दौर जारी रहेगा। इस बीच कोहरा भी हल्के से मध्यम दर्जे का रहेगा। चार दिन बाद रात के तापमान में मामूली बढ़त दिख सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पहाड़ी इलाकों से आ रही उत्तर–पश्चिमी हवाओं के असर से राजधानी में पारा गिरा है। बृहस्पतिवार को दिन का तापमान 0.1 डिग्री की बढ़त के साथ 24.1 डिग्री और रात का पारा 0.3 डिग्री की गिरावट के साथ 6.3 डिग्री रहा। उधर, हवा की सेहत फिर से लड़खड़ाती नजर आई। छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से अलीगंज और लालबाग की हवा नारंगी यानी खराब गुणवत्ता की रही।

90 लोगों को चश्मा प्रदान किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री बांके बिहारी चौरिटेबल हॉस्पिटल दिल्ली के सौजन्य से आरबीएल बैंक विपुल खंड गोमती नगर के शाखा प्रबंधक वैभव शर्मा के नेतृत्व में शालीमार वन वर्ल्ड गोमती नगर में हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। डॉक्टर एम एस राठौर ने नेत्र परीक्षण किया तथा 90 लोगों को चश्मा प्रदान किया। डॉक्टर आशीष ने 90 लोगों की ब्लड जांच की।इसमें 6 प्रकार की रिपोर्ट प्रदान की जाएगी। ऋषभ, अरुण,रवि सहयोगी रहे।

फीनिक्स पलासियो में श्ए ड्रीमी क्रिसमसश डेकोर के साथ तेजस्वी प्रकाश ने बिखेरा अपना जादू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के लोकप्रिय शॉपिंग डेस्टिनेशन फीनिक्स पलासियो ने अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले क्रिसमस डेकोर 'ए ड्रीमी क्रिसमस' का भव्य अनावरण किया। इस खास मौके पर मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने अपनी मौजूदगी से समां बांध दिया। तेजस्वी प्रकाश एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हिंदी टेलीविजन और मराठी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। स्वरागिनी – जोड़ें रिश्तों के सुरश में रागिनी और नागिन 6 में प्रथा की भूमिकाओं से उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। 2020 में उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी 10' में अपने साहसिक अंदाज से सबको प्रभावित किया और 2021 में शबिग बॉस 15की विजेता बनकर अपनी लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी। उन्होंने मराठी फिल्म 'मन कस्तुरी रे' से डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर मराठी में बेस्ट फीमेल डेब्यू का नामांकन भी मिला। फीनिक्स पलासियो का यह भव्य डेकोर सुनहरे आर्क के बीच चमचमाते ज्योमेट्रिक क्रिसमस ट्री, सांता

के ग्रोटो, हंसमुख स्नोमैन और गोल्डन सजावट से सजे क्रिसमस ट्री से सुसज्जित है। त्यौहार के लिए की गई सजावट, क्रिसमस के जादू को जीवंत करती है और तेजस्वी की मौजूदगी ने तो इसमें खास आकर्षण जोड़ दिया।डेकोर का अनावरण करते हुए तेजस्वी ने कहा, "फीनिक्स पलासियो में इस खूबसूरत क्रिसमस डेकोर को लॉन्च करते हुए मैं बेहद उत्साहित हूं। यह त्यौहार की खुशी और रचनात्मकता का बेहतरीन मेल है। इसे देखकर सभी के चेहरों पर जो मुस्कान आ रही है, वह इसे और खास बना रही है। मॉल में मौजूद प्रशंसकों और शॉपर्स ने डेकोर और तेजस्वी के साथ फोटो क्लिक की और अपनी खुशी जाहिर की। एक शॉपर ने कहा, "तेजस्वी की मौजूदगी इस इवेंट को यादगार बना दिया है। डेकोर तो शानदार है ही लेकिन तेजस्वी की उपस्थिति ने इसे मौके को हमारे लिए बेहद खास बना दिया है।" फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर, श्री संजीव सरीन ने कहा, "तेजस्वी प्रकाश द्वारा डेकोर के अनावरण ने इस इवेंट को अविस्मरणीय बना दिया है। फीनिक्स पलासियो में हम अपने शॉपर्स को जादुई और कभी न भूलने वाला अनुभव प्रदान करने का प्रयास करते हैं और इस साल का 'ए ड्रीमी क्रिसमस' डेकोर हमारी तरफ से खुशी और त्योहार की भावना को प्रकट करने का एक जरिया है।

सीएफओ ने मार्कड्रिल के माध्यम से छात्रों व शिक्षिकाओं को आग से बचने की दी जानकारी

अयोध्या। शनिवार को इंडियन गैस सर्विस के द्वारा आयोजित जीजीआईसी में अग्निशमन विभाग द्वारा वहां पर मौजूद छात्रों,शिक्षिकाओं व कर्मचारियों को आग से बचने के बारे में जानकारी दी गई।इस मौके पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने वहां पर मौजूद छात्रों व शिक्षकों को आग से बचाव की जानकारी देते हुए बताया कि इस समय खास सतर्कता बरतनी होगी।इस मौके पर उन्होंने कहा कि अधिकतर लोग इस ठंड में जहां एक तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अलाव जलाकर बिना बुझाये छोड़ देते हैं।ठंड मे शहर के लोग बंद कमरे में अलाव तो जलाते हैं लेकिन अलाव को जलाने वाले बर्तन को बाहर तो कर देते हैं उसके बाद कमरा बंद कर लेते हैं। लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम कि उसे कमरे में जो धुआँ रहता है वह काफी खतरनाक साबित हो सकता है।उन्होंने कहा कि अलाव जलाने के बाद कुछ देर तक कमरों की खिड़कियां व दरवाजे खुले रखें।जिससे कि कमरे के धुएं बाहर निकल जाए और कोशिश से ही करें कि अलाव कमरे के अंदर ना जलाएं।इस मौके पर अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने छात्रों व शिक्षकों को आग से बचने की जानकारी देने के बाद मार्ग दिल के माध्यम से छात्रों व वाहन के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।